

उपायुक्त का न्यायालय, दुमका

रोमिं अपील वाद सं 05/2015–16

मंगल मराडी अपीलकर्ता
 बेटका बेसरा एवं अन्य उत्तरकारी
 मंगल मराडी अपीलकर्ता
 बेटका बेसरा एवं अन्य उत्तरकारी

॥ आदेश ॥

24/05/2016

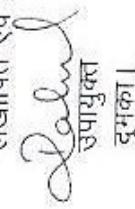
यह रोमिं अपील वाद सं 05/2015–16 मंगल मराडी बनाम बेटका बेसरा एवं अन्य, मौजा बालीडीह, अंचल काठीकुंड के बीच अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका के पी040 वाद सं 128/2008–09 में पारित आदेश दिनांक 16.02.2015 के विषेष दायर किया गया है। ऐने अपीलकर्ता के विद्वान अधिवक्ता को सुना तथा अभिलेख में दखिल कराजातों का अचलोकन किया।

अपीलकर्ता के विद्वान अधिवक्ता का कहना है कि ग्राम सभा द्वारा दखिल आदेशन के आधार पर उत्तरकारी को मौजा का प्रधान पद पर सं040 काश्तकारी अधिनियम की धारा 06 के अन्तर्गत निम्न न्यायालय द्वारा प्रधान पद पर नियुक्त किया गया है किन्तु अंतिम प्रधान जाट बेसरा को मौजा के प्रधान पद से बर्खस्त किया जा चुका है। ऐसी स्थिति में उत्तरकारी को मौजा का प्रधान सं040 काश्तकारी अधिनियम के धारा 06 के अन्तर्गत नियुक्त किया जाना न्यायसंगत नहीं है। अतः निम्न न्यायालय के लियोपित करते हुए अपील आदेशन को स्वीकृत किया जाय।

अपीलकर्ता के दावों के अनुसार मौजा के अंतिम प्रधान को बर्खस्त किया जा चुका है, के संबंध में आदेश दिनांक 15.12.2015 के आदेशानुसार अंचल अधिकारी काठीकुंड से जांच प्रतिवेदन की मांग की गई। अंचल अधिकारी, काठीकुंड ने अपने पात्रक 172/रां दिनांक 08.04.2016 हासा जांच प्रतिवेदन न्यायालय को मौजा गया है जिसमें उल्लेख है कि मौजा के अंतिम प्रधान को मौजा के प्रधान पद से बर्खस्त किये जाने के संबंध में कोई सबूत अपीलकर्ता एवं ऐयतों द्वारा जांच के दौरान समर्पित नहीं किया गया है।

इस प्रकार उपरोक्त वर्णित तथ्यों से स्पष्ट होता है कि अपीलकर्ता का दावा निरधार प्रतीत होता है। अतः अपीलकर्ता के आदेशन को अस्वीकृत किया जाता है।

लेखापित एवं संशोधित ।


उपायुक्त
दुमका।


उपायुक्त
दुमका।